पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने राष्ट्रपति से भेंट की

बाबा साहब के सही नाम के संबंध में पत्र भी सौपा

लखनऊः 11 दिसम्बर, 2017

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद से भेंट की। राज्यपाल ने राष्ट्रपति को डाॅ0 भीमराव आंबेडकर के सही नाम न लिखे जाने के संबंध में एक पत्र भी सौपा। राष्ट्रपति को सम्बोधित पत्र में राज्यपाल ने कहा है कि केन्द्र एवं राज्य सरकारों के दस्तावेजों में डाॅ0 आंबेडकर का नाम सही नहीं लिखा जा रहा है। किसी भी व्यक्ति का नाम उसी तरह लिखा जाना चाहिए जिस ढंग से वह स्वयं लिखता हो। इस दृष्टि से 'भारत का संविधान' की मूल हिन्दी प्रति के पृष्ठ 254 पर किए गए हस्ताक्षर (भीमराव रामजी आंबेडकर) के अनुसार डाॅ0 'भीमराव आंबेडकर' लिखा जाना उचित होगा न कि डाॅ0 'भीम राव अम्बेडकर'। भीमराव एक शब्द है न कि अलग-अलग। इसी प्रकार अंग्रेजी में क्त ठीपउ त्ंव ।उइमकांत के स्थान पर क्तण् ठीपउतंव ।उइमकांत लिखना उचित होगा।

श्री नाईक ने राष्ट्रपति से आग्रह किया कि यदि उनके स्तर से इस विषय पर कार्यवाही की जायेगी अथवा दिशा-निर्देश निर्गत किए जाएंगे तो देश में एक अच्छा संदेश जायेगा। ऐसा करके देशवासी डाॅ0 भीमराव आंबेडकर के प्रति सही अर्थों में सम्मान एवं कृतज्ञता प्रकट कर पायेंगे।

उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक आज दिल्ली दौरे पर थे, जहाँ राष्ट्रपति से भेंट करने के बाद उन्होंने एक पत्रकार वार्ता को भी सम्बोधित किया। राज्यपाल ने मीडिया के माध्यम से लोगों को देश के संविधान शिल्पी डाॅ0 भीमराव आंबेडकर के सही नाम लिखने का अनुरोध किया। राज्यपाल ने बताया कि उन्होंने उत्तर प्रदेश में डाॅ0 आंबेडकर के नाम से जुड़े विश्वविद्यालय एवं अन्य संस्थानों में बाबासाहब के सही नाम लिखे जाने हेतु मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर चर्चा भी की है। राज्यपाल ने विश्वास जताया कि 14 दिसम्बर से आहूत उत्तर प्रदेश के विधान मण्डल के सत्र में इस विषय पर चर्चा के बाद सकारात्मक कार्यवाही की जायेगी।

राज्यपाल ने पत्रकारों को बताया कि संविधान सभा ने 'जन-गण-मन' एवं 'वंदे मातरम्' को राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत का दर्जा दिया था परन्तु संविधान लागू होने के पश्चात् से 1992 तक यह संसद भवन में नहीं गाये जाते थे। उनके प्रयास से संसद भवन में हुई चर्चा के बात सबने यह बात स्वीकार की तथा संसद सत्र का प्रारम्भ राष्ट्रगान 'जन-गण-मन' तथा समापन राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' से किया जाना प्रारम्भ हुआ।

अंजुम/ललित/राजभवन (461/20)

कळा वेंकटराव

[illegible]

पं. अनंतशयनं आयंगार

नीलम संजीव रेड्डि

चि दुर्गाबाई

मोसलिकंटि तिरुमलराव

[illegible]

[illegible]

[illegible]

વલ્લભભાઈ પટેલ

[illegible]

[illegible]

जयरामदास दौलतराम

[illegible]

[illegible]

ओ. वि. अलगेशन

[illegible]

T. J. M. Wilson

[illegible]

[illegible]

भीमराव रामजी आंबेडकर

दास नागप्पा

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

शेख मोहम्मद अब्दुल्लाह

Mahboob Ali Baig

[illegible]

V. Ramaiah